ये अव्यक्त इशारे

जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करने के लिए बन्धनों से मुक्त बनो

8-12-2023

सबसे महीन और सुन्दरता का धागा एक ''मैं'' शब्द ही है। मैं शब्द देही अभिमानी भी बनाता और देह अभिमान में भी लाता। मैं फलानी हूँ, मैं सभी कुछ जानती हूँ, मैं किस बात में कम हूँ, मैं सब कुछ कर सकती हूँ, मैं जो हूँ, जैसी हूँ वह मैं जानती हूँ, मैं कैसे सहन करती हूँ, कैसे समस्याओं का सामना करती हूँ, कैसे मरकर चलती हूँ, यही मैं सुल्टे के बजाए उल्टे रूप में महीन, सुन्दरता का धागा बंधन बन जाता है। अब इस मैं-मैं के बंधन से मुक्त बनो।

In order to experience the stage of liberation-in-life become free from bondage.

The most refined (subtle) and beautiful thread is the word "I". The word "I" makes you soul conscious and also brings you into body consciousness. "I am So-and-so. I know everything. What am I lacking in? I can do everything. I know who I am and what I am. How I tolerate everything, how I face all problems, how I move along while having died". This "I" becomes a very refined and beautiful thread in the wrong way, instead of the right way. Now become free from this bondage of "I, I".